मंगलवार
24 सितम्बर 2024

पृष्ठ 4
हर आयु वर्ग के लोगों को रोजाना चलना...

पृष्ठ 5
कंगना शर्मा ने रिवीलिंग आउटफिट.

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 226
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

हमारा सच्चा जीवन तब होता है जब हम सपनों में जागते हैं।
– हेनरी डेविड थोरो

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

सभी मन्दिरों के प्रसाद की होगी रेंडम जांचः सतपाल

विशेष संवाददाता

देहरादून। उड़ीसा के तिरूपति मंदिर के प्रसाद में कथित पशु चर्बी की मिलावट का मामला सामने आने के बाद अब उत्तराखण्ड सरकार के भी कान खड़े हो गये है। पर्यटन एंव धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज का कहना है कि आस्था की तरह प्रसाद की पवित्रता भी उतनी ही जरूरी है। इसलिए देवभूमि के सभी चारों धामों और देवालयों में वितरित किये जाने वाले तथा रसोई घरों में बनाये जाने वाले प्रसाद की भी जांच करायी जायेगी।

❑आस्था की तरह प्रसाद की पवित्रता भी जरूरी
❑भक्तों द्वारा चढ़ाये जाने वाले प्रसाद की भी जांच होगी

महाराज का कहना है कि आस्था के साथ होने वाली किसी भी तरह के खिलवाड़ को कतई भी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होने कहा कि सिर्फ धामों में वितरित किये जाने वाला प्रसाद ही नहीं अपितु राज्य के सभी मन्दिरों में प्रसाद की रेंडम जांच करायी जायेगी तथा प्रसाद के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे जायेंगे। उन्होने साफ किया कि जो प्रसाद मंदिरों के रसोई घरों में तैयार किया जाता है उसकी शुद्धता के साथ साफ–सफाई की भी जांच होगी तथा जो प्रसाद भक्तों द्वारा मन्दिरों में चढ़ाया जाता है उसकी भी जांच समय–समय पर करायी जायेगी। जिससे शुद्धता के मानकों को बनाये रखा जा सके। उनका साफ कहना है कि आस्था के प्रति जिस तरह से पवित्रता जरूरी है ठीक वैसे ही प्रसाद की पवित्रता जरूरी है। उनका कहना है कि इसकी गुणवत्ता व शुद्धता के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि तिरूपति में कथित प्रसाद की अपवित्रता का मामला सामने आने पर बद्री केदार समिति के द्वारा धामों के मन्दिरों में भी प्रसाद की अपवित्रता की आशंका जताई गयी थी। मन्दिरों और धामों में बनने वाले प्रसाद की सामग्री कहां से आती है और उसकी शुद्धता का क्या स्तर है? इसकी जांच अत्यंत ही जरूरी है। सेवादारों और हक हकूकधारियों का कहना है कि प्रसाद में दानकर्ताओं द्वारा दान की गयी सामग्री का उपयोग किया जाता है दानदाता जो घी और केसर आदि दान देते है वह उनके घर का बना हुआ है या फिर बाजार का इसका कुछ पता नहीं होता है तथा न ही उसकी कोई जांच अब तक मंदिर समिति के स्तर से की जाती रही है। इसलिए इसमें किसी भी तरह की अशुद्धता होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

जमीनी विवाद में एक की मौत, ग्राम प्रधान सहित चार घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जमीनी विवाद को लेकर आज सुबह दो पक्ष आमने–सामने आ गये जिनके बीच जमकर लाठी डंडे चले। इस भिंड़त में जहां एक व्यक्ति की मौत हो गयी वहीं ग्राम प्रधान सहित चार लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं गांव में तनाव को देखते हुए सिविल अस्पताल से लेकर गांव तक पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

मामला मंगलौर थाना क्षेत्र के आमखेड़ी गांव का है। यहां गांव में एक जमीन को लेकर लम्बे समय से दो पक्षों में विवाद चल रहा था। आज सुबह एक बार फिर दोनो पक्ष आमने–सामने आ गये। जिनके बीच जमकर लाठी डंडे चले और विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। जिसके बाद दोनो पक्षों के बीच पथराव भी किया गया। इस

दौरान एक ग्रामीण आजाद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ग्राम प्रधान रविंद्र सेवाराम और सुंदर सहित चार लोग घायल हो गए। खूनी संघर्ष होने की सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शांति कुमार पुलिस बल के साथ गांव में पहुंचे तब तक हमलावर मौके से भाग चुके थे पुलिस ने घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया इसके बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। सूचना पाकर पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं पुलिस क्षेत्राधिकारी विवेक कुमार ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई है ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

एमयूडीए घोटाले में कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के खिलाफचलेगा केस

बेंगलुरु । कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले में सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की राज्यपाल थावर चंद गहलोत की मंजूरी बरकरार रखी है। कर्नाटक हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने सिद्धारमैया द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को दी गई जमीन पर उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले दर्ज करने के लिए तीन लोगों को कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी को चुनौती दी थी। न्यायालय ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करना राज्यपाल का कर्तव्य है। हालाँकि, वह असाधारण परिस्थितियों में स्वतंत्र निर्णय ले सकता है और वर्तमान मामला एक ऐसा अपवाद है। न्यायालय ने यह भी माना कि निजी शिकायतकर्ता राज्यपाल से ऐसी मंजूरी मांग सकते हैं और यह आवश्यक नहीं है कि कोई पुलिस अधिकारी भी ऐसा करे। कोर्ट ने कहा, वास्तविक स्थिति में ।7ए के तहत मंजूरी अनिवार्य है। इसमें कहीं भी पुलिस अधिकारी को बीएनएसएस की धारा 200 या 223 के तहत निजी शिकायतकर्ता के मामले में मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं है।

पश्चिम बंगाल में मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार डिविजन के न्यू मयनागुड़ी स्टेशन पर मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। मालगाड़ी खाली थी, जिसके कम से कम पांच वैगन पटरी से उतर गए। घटना मंगलवार सुबह की है।

इस घटना के बाद यहां से गुजरने वाली ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया गया। रेलवे ने कहा कि पटरी से उतरने के बाद ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा दिया गया है और आवाजाही प्रभावित नहीं हुई है।

अधिकारियों ने कहा कि यह पांच लाइनों वाला स्टेशन है और इस स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही भी जल्द ही बहाल कर दी जाएगी। डीआरएम अलीपुरद्वार सहित वरिष्ठ अधिकारी साइट पर पहुंच चुके हैं और बहाली का काम चल रहा है। स्टेशन अधीक्षक मुकेश कुमार ने कहा, ष्जहां तक ष्जानकारी है कि एक ट्रेन पटरी से उतर गई, यह आज सुबह करीब 6:20 बजे हुआ। कोई हताहत नहीं हुआ है। मरम्मत का काम चल रहा है। अलीपुरद्वार डिविजन के डीआरएम अमरजीत गौतम ने कहा कि दुर्घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि हम यातायात बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

इस दुर्घटना का कारण अभी तक पता नहीं चला है। टीम इसकी जांच कर रही है। हम जांच कर रहे हैं। बता दें कि पिछले महीने भी पश्चिम बंगाल में एक मालगाड़ी बेपटरी हो गई थी। यह हदसा राज्य के मालदा जिले के हरिश्चंद्रपुर में कुमेदरपुर रेलवे स्टेशन के पास हुआ था। यहां एनजीपी से कटिहार जा रही मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

बेरोजगार युवा, बड़ी समस्या

उत्तराखंड राज्य गठन के बाद सरकारी नौकरियों की जिस तरह से लूटपाट होती रही है उसका सच किसी से भी छिपा नहीं है। इस खेल में सबसे ज्यादा नुकसान उन पढ़े लिखे और योग्य युवाओं को हुआ है जो आज भी बेरोजगार है और अब उनकी आयु सीमा भी नौकरी पाने की तय आयु सीमा के पार जा चुकी है या पार जाने वाली है। सरकार द्वारा अगर राज्य बनने के बाद से इस मुद्दे पर उचित तरीके से ध्यान दिया गया होता तो निश्चित तौर पर न तो यह बेरोजगारी की स्थिति विस्फोटक रूप लेती और न सरकार को सामूहिक नियुक्ति पत्र वितरण के कार्यक्रम आयोजित कर यह संदेश देने या प्रचार करने की जरूरत पड़ती कि वह युवाओं के रोजगार के मुद्दे पर गंभीरता से काम कर रही है। इन दिनों युवाओं द्वारा रोजगार के मुद्दे पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। इन युवाओं की मांग है कि पुलिस कांस्टेबल की भर्तियों के लिए आयु सीमा में बढ़ोतरी की जाए 8 सालों से राज्य में पुलिस कांस्टेबल की भर्ती नहीं की गई है। जो युवा इस सेवा के लिए तैयारी कर रहे थे स्वाभाविक तौर पर अब उनकी आयु अधिक हो चुकी है। उधर राज्य में संविदा कर्मियों के नियमितिकरण का जो मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है अगर सरकार अपने स्तर पर उसे सुलझा पाई होती तो इन संविदा कर्मियों को अदालत का दरवाजा खटखटाने की जरूरत नहीं पड़ी होती। राज्य के विभिन्न विभागों में 15000 से अधिक संविदाकर्मियों को अपने नियमित किए जाने का इंतजार है। सरकार द्वारा 2011 की नियमावली में उन कर्मचारियों को नियमित करने का फैसला किया गया था जिनकी सेवा के 10 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन 2016 में इसे 5 साल कर दिया गया। राज्य गठन के बाद सरकार ने जिन विभागों में कर्मचारियों की जरूरत थी उनमें ही नहीं जिनमें जरूरत नहीं थी उन विभागों में भी अंधाधुंध संविदा और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नौकरियां दे दी गई। इन संविदा व दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्तियों के लिए तमाम नियम और कानूनों को भी दरकिनार कर दिया गया। सिर्फ शासन-प्रशासन में बैठे लोगों के साथ रसूकदार ही संविदा पर नौकरी पाने के लिए काफी होते थे। विधानसभा और सचिवालय में संविदा पर नौकरी पाने को लेकर विगत समय में जो विवाद हुआ था उस समय इस बात की पुष्टि हुई थी कि महज एक सादा कागज में चार लाइन का प्रार्थना पत्र लिखने वाले भी नौकरी पा गए उनकी तो बात ही क्या करना जिन्होंने स्पीकर या मंत्री जैसे पदों पर बैठकर अपने सगे संबंधियों या रिश्तेदारों को नौकरियां पर लगा दिया। खैर संविदा की बात हो या फिर दैनिक वेतन भोगी किसी कर्मचारी की या तो उनके लिए ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए थी कि एक निर्धारित समय सीमा पर उनकी नौकरी समाप्त कर दी जाती या फिर उनके नियमित होने की पुख्ता गारंटी होती अब वह लोग जो 10-15 या 5 साल से संविदा पर नौकरी कर रहे हैं उन्हें आप कैसे धक्का देकर बाहर निकाल सकते हैं। उनके भी तो कुछ कानूनी अधिकार है लेकिन सरकार इनके नियमितीकरण का व्यय भार झेलने या उठाने को तैयार नहीं है। भले ही वह विधायकों के वेतन भत्तों में लाखों की बढ़ोतरी कर रही हो। पेपर लीक या भर्तियों में धांधली का मुद्दा अलग बात है। युवा बेरोजगार किस-किस स्तर पर अन्याय की मार झेल रहे हैं यह तो वह खुद ही जानते हैं। सरकार और न्यायपालिका उनके लिए क्या करती है यह आने वाला समय ही बताएगा।

महंगाई भत्ते की घोषणा के बाद भी 30 को होगी महारैली

संवाददाता

देहरादून। महासंघ अध्यक्ष दिनेश गौसाई ने कहा कि सार्वजनिक निगमों, निकायों, उपक्रमों के कार्मिकों को जनवरी से महंगाई भत्ते की घोषणा के बाद भी 30 की महारैली प्रभावित नहीं होगी।

आज यहां सार्वजनिक निगमों/निकायों/उपक्रमों के कार्मिकों को जनवरी 2024 से मंहगाई भत्ते का झुनझुना दिखाकर 30 सितम्बर को होने वाली महारैली को प्रभावित नहीं किया जा सकता। आज महासंघ की आपात बैठक में 23 सितम्बर को शासन में मुख्य सचिव द्वारा महासंघ के साथ होने वाली बैठक को स्थगित कर 4 प्रतिशत मंहगाई भत्ता स्वीकृत कर शासन सार्वजनिक निगमों/निकायों/उपक्रमों के कार्मिकों की अन्य समस्यों को ठन्डे बस्ते में डालने का निर्धारित ऐजण्डा के तहत है बोलते हुये महासंघ के अध्यक्ष दिनेश गौसाई द्वारा कहा गया है आज पूरे दैनिक/संविदा/विशेष श्रेणी/आउट सोर्स नासूर बन चुकी , बेरोजगारों की सामाजिक सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

सार्वजनिक निगमों/निकायों/उपक्रमों में हजारों पद रिक्त हैं जिनके सापेक्ष दैनिक/संविदा/विशेष श्रेणी/आउटसोर्स के नाम से राज्य गठन के पश्चात लगातार कार्य लिया जा रहा है लेकिन शासन की हीलाहवाली के चलते नियमितीकरण नहीं किया जा रहा है । जिसके कारण अनेकों कार्मिक नियमित होने की प्रत्याशा में सेवानिवृत हो गये है। महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश पन्त द्वारा कहा गया कि सार्वजनिक निगमों के कार्मिकों के साथ शासन का रवैया सौतेला रहा है। मंहगाई भत्ता हो या सातवें वेतन आयोग के अनुसार मकान किराया भत्ता, हो या शिथिलीकरण का लाभ दिये बात रही हो किसी पर भी निर्णय नहीं किया जा रहा है। आज तक सार्वजनिक निगमों के कार्मिकों को विना आन्दोलन के शासन कुछ देने को तैयार नहीं है। महासंघ के मण्डलीय अध्यक्ष शिशुपाल सिंह रावत द्वारा कहा गया कि निगमों/निकायों/उपक्रमों में सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियां लागू करने पर कार्मिक ढांचे में चतुर्थ श्रेणी के पदों को मृत घोषित किया गया। महासंघ के उपाध्यक्ष मनमोहन चौधरी द्वारा कहा गया 2013 में नियमितीकरण हेतु बनी नियमावली को न्यायलय द्वारा हरी झंडी मिलने पश्चात शासन द्वारा मामले को लटकाया जा रहा है।

दुकान की छत काटकर सामान चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने पान की दुकान की छत काटकर वहां से सिगरेट, पान मसाले व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर चौक निवासी कमल सोनी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी क्षेत्र में ही पान की दुकान है। आज सुबह जब वह दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी दुकान में सारा सामान बिखरा हुआ था तथा उसकी छत भी काटी गयी थी। चोर उसकी दुकान की छत काटकर वहां से सिगरेट के पैकेट, पान मसाले, लाइटर व अन्य सामान चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सुबह-सवेरे ठेकेदार ने लहरायी पिस्टल, हिरासत में

हमारे संवाददाता

पौड़ी। कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग पर आज सुबह एक ठेकेदार ने लाइसेंसी पिस्टल लहरा दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ठेकेदार को हिरासत में

लेते हुए पिस्टल को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग पर पोकलैंड चालक और मालिक का एक बस चालक से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि यह विवाद इतना बढ़ा कि पोकलैंड चालक ने पोकलैंड मशीन को ही सड़क के बीचोबीच खड़ा कर दिया। जिससे दोनो ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गयी। जब वाहन चालकों ने इसका विरोध किया तो बचाव में पोकलैंड मालिक ने हवा में पिस्टल लहरा दी। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ठेकेदार को हिरासत में लेकर पिस्टल जब्त कर ली। पुलिस के अनुसार ठेकेदार नशे की हालत में था जिसका मेडिकल कराया जा रहा है।

एमकेपी कॉलेज में मनाया गया एनएसएस दिवस

संवाददाता

देहरादून। एम के पी पीजी कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकल्प द्वारा एन एस एस दिवस मनाया गया।

आज यहां एम के पी पीजी कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकल्प द्वारा एन एस एस दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा ममता सिंह द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य एवं कार्यों पर छात्राओं को निर्देशित किया। भारत सरकार द्वारा संपूर्ण भारत में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत 20 सितंबर से 2 अक्टूबर कालेज परिसर में स्वच्छता अभियान के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता हेतु जागरण किया गया।

छात्राओं ने स्वच्छता और स्वास्थ्य विषय पर चर्चा की। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 2 अक्टूबर को प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा। कार्यक्रम में डा मीनाक्षी शर्मा, शशि सिंह, सोनाली, राघवी चौधरी, शिवानी रावत, मुस्कान बिष्ट, कृतिका शर्मा , लालसिंह गुरुंग तथा एन एस एस स्वयंसेविकाओ ने सहभागिता की।

एसएसपी हरिद्वार को फूलों का गुलदस्ता देकर किया सम्मानित

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। राष्ट्रीय लोक दल के प्रतिनिधि मंडल ने आज रोशनाबाद एसएसपी कैंप कार्यालय में हरिद्वार जिला अध्यक्ष मोरध्वज सिंह की अध्यक्षता मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार प्रमेन्द्र डोबाल (आईपीएस) से भेंट कर हरिद्वार डकैती के खुलासे और जिले में कानून व्यवस्था दुरस्त करने के सराहनीय प्रयासों के लिए फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया।

रालोद प्रतिनिधि मण्डल में प्रदेश महासचिव व मुख्य प्रवक्ता अनुपम खत्री, प्रदेश महासचिव अशोक चौधरी, प्रदेश सचिव व जन सम्पर्क अधिकारी उदय वीर चहल, अनिल देवरानी, शैलेन्द्र पंवार, वतन चौधरी शामिल थे। इस मौके पर कुछ माह पहले ग्राम बौड़पुर तहसील रुड़की जिला हरिद्वार में एक समुदाय के कुछ दंगाइयों द्वारा दूसरे समुदाय के परिवार पर हुए हमले में पीड़ित परिवार से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को मिलवाकर सीधा संवाद करवाया गया। जिसके उपरांत एसएसपी हरिद्वार ने पूरी घटना को समझने के बाद तुरंत एसपी देहात को क्षेत्रधिकारी व थाना प्रभारी के साथ टीम गठित कर दंगाइयों की धरपकड़ कर कड़ी विधिक कार्यवाही करने के आदेश दिए और पीड़ित परिवार की सुरक्षा व इलाके में शांति बहाल करने के साथ ही धर्मिक भावना भड़काने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। रालोद के पदाधिकारियों ने एसएसपी हरिद्वार की त्वरित कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जानलेवा हमले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। जानलेवा हमले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहूंवाला माफी निवासी आसिफ मलिक ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने व उसके दोस्त ने एक कैफे चन्द्रबनी चौक पर ले रखा है जिसकी रेनोवेशन करने की बात चल रही है। रात्रि करीब 2 बजे के आसपास वह अपने दोस्तो व फरमान के साथ अपने कैफे से नीचे उतर रहे थे। जैसे ही वह व उसके दोस्त फरमान नीचे अपनी गाडी के पास गये तभी वहां रितीक आतरे, भानु गोयल, विवेक गुज्जर, अरपीत राठी, चेतन्य शर्मा, अन्य लोग तीन गाड़ी भर जिनकी नंबर प्लेट उतारी हुई थी आते ही उसके दोस्त फरमान पर हत्या करने के इरादे से तलवार, चाकू, लोहे की रोड से हमला कर दिया फरमान की चीख पुकार सुन वह व उनके दोस्त ने फरमान को उपरोक्त लोगों से बचाया बीच बचाव करते वक्त भानु गोयल व चौतन्य शर्मा बोलने लगे कि यह आसिफ है फरमान तो मर जाएगा अब इसे आसिफ को भी जान से मार दो, यह बोल वह सभी उसकी और भागे तो उसका एक मित्र उसको लेकर सीधा आईएसबीटी भाग इसी का फायदा उठाकर फरमान वहीं खड़े कार में घुस गया फरमान को वापस होश में देखा वह लोग वापस उसको जान से मारने के लिए कार से ऊपर हमला कर दिया जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कालसी थाना पुलिस ने कोटी रोड पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने उसका पीछा करते हुए उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 111 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम जयपाल पुत्र प्रेमदास निवासी कोटि कनासर चकराता बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

ट्रायल के बहाने वाहन लेकर फरार हुए दम्पत्ति

संवाददाता

देहरादून। ट्रायल के नाम पर वाहन लेकर दम्पत्ति फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधी रोड निवासी अब्दुल कादिर ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह राजधानी कार बाजार स्थित माजरा देहरादून का संचालक है तथा वाहन के क्रय-विक्रय का कार्य करता है। एक व्यक्ति वाहन क्रय करने हेतु उसके पास आया तथा अपने आप को उसी मौहल्ले का निवासी बताया। उस व्यक्ति ने उसको अपने विश्वास में लेते हुए एक वाहन जिसको वाहन स्वामी द्वारा विक्रय किये जान हेतु उसको दिया था, को क्रय करने की इच्छा उक्त व्यक्ति ने जताई। वाहन को लगभग सवा तीन बजे दोपहर अपनी पत्नि जो कि पटेलनगर में डॉक्टर है, बता रहा था को वाहन की ट्रायल दिलाने के लिए 2 मिनट के लिए उससे ले गया। कई घण्टे इन्तजार करने के उपरान्त भी वह व्यक्ति वापस नहीं आया, जिससे उसको यह ज्ञात हुआ कि उक्त वाहन धोखाधडी कर चोरी हो गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

परिषद ने सीएम से की भवन कर में आंदोलनकारियों को छूट मांग की

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने भवन कर में आंदोलनकारियों को छूट देने की मांग मुख्यमंत्री से की। आज उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि राज्य आंदोलनकारी को नगर निगम भवन कर में छूट देगा या नहीं। स्मरण रहे कि देहरादून मेयर सुनील उनियाल गामा ने अपने कार्य काल के दौरान बोर्ड मिटिंग में राज्य आंदोलनकारियो को भवन कर में छूट देने का प्रस्ताव पारित किया था लेकिन इस पर आज भी कोई अमल नहीं हुआ। इससे पहले जब विनोद चमोली निगम के मेयर थे तब उन्होंने भी राज्य आंदोलनकारीयो को भवन कर में छूट देने की बात कही थी। प्रभात डंडरियाल और सुरेश कुमार ने उम्मीद ही नहीं विश्वास भी जताया कि प्रदेश की धामी सरकार राज्य आंदोलनकारियों को भवन कर में छूट अवश्य देगी। सुनील उनियाल गामा व चमोली की तरह नहीं करेंगीवर्तमान में नगर निगम बोर्ड भंग है इसी कारण मुख्यमंत्री से मांग की है।

जन संवाद/जनता मिलन कार्यक्रम

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए जनसमस्याओं के निराकरण के निर्देश

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनसंवाद/जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 36 शिकायतें दर्ज की गई। इनमें 19 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया जबकि शेष शिकायतों का निस्तारण करने के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में कान्दी निवासी बलवीर लाल ने बीते माह केदारानाथ में अतिवृष्टि के चलते उनकी दुकान बह जाने एवं बेटे के पैर में चोट लगने की जानकारी देते हुए मुआवजे की मांग की। ग्राम पंचायत डुंगर प्रधान महिपाल सिंह ने बताया कि उनकी ग्राम सभा के पंचायत भवन एवं प्राथमिक विद्यालय की स्थिति जीर्ण शीर्ण हो गई है। पंचायत भवन में लगातार शादी सहित अन्य सामुदायिक कार्यक्रम होते हैं जबकि स्कूल में भी नियमित पढ़ाई हो रही है। ऐसे में अनहोनी का डर हमेशा बना हुआ रहता है। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय में एक अध्यापक की नियुक्ति करने की मांग भी की। ग्राम प्रधान डुंगर ने ग्राम भटवाड़ी में सड़क स्वीकृति एवं सर्वे के बाद अब तक सड़क निमार्ण के लिए कोई कार्रवाई शुरु नहीं होने की शिकायत भी की। धनकुराली निवासी रघुबीर सिंह राणा ने ममणी उरोली धनकुराली मार्ग तीन महीने से बंद पड़े होने की शिकायत करते हुए बताया कि इससे हजारों लोगों के दैनिक एवं शासकीय कार्य बाधित हो रहे हैं। मरोड़ा निवासी पुष्पा देवी एवं सतेश्वरी देवी ने रेलवे द्वारा उनके मकानों का किराया लंबे समय से न दिए जाने की शिकातय की। ग्राम प्रधान बुरुवा सरोज देवी ने जिला योजना से बुरुवा गांव से ग्राम माल्दी तक स्वीकृत मोटर मार्ग का कार्य शुरू नहीं होने की शिकायत की। मदोला निवासी नीरज नेगी ने बताया कि दश्ज्यूला कांडई के लिए पीएमजीएसवाई द्वारा किए जा रही सड़क सुधारीकरण कार्य के दौरान ग्राम सभा की पेयजल लाईन क्षतिग्रस्त हो गई है।

जिलाधिकारी ने सड़क से जुड़े विभाग एवं अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़क निमार्ण कार्य से जो भी सरकारी संपत्ति क्षतिग्रस्त होती है उनको प्लान एवं सर्वे में शामिल करते हुए क्षतिग्रस्त योजनाओं का भी सुधारीकरण किया जाए। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जनपद के स्कूलों के जो भी भवन क्षतिग्रस्त हैं एवं मरम्मत कार्य किया जाना है ऐसे भवनों की सूची और प्रस्ताव तीन दिनों के भीतर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी को क्षतिग्रस्त पंचायत भवनों की सूची और प्रस्ताव तीन दिनों के भीतर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। वहीं जिलाधिकारी ने जिन समस्याओं पर स्थलीय निरीक्षण एवं मौका मुआयना किया जाना है, संबंधित क्षेत्र के उप जिलाधिकारी के साथ संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर वस्तुस्थिति एवं की जाने वाली कार्रवाई से अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि जन संवाद कार्यक्रम में मिलने वाली शिकायतों का निस्तारण बिना देरी के तय सीमा के भीतर किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की देरी एवं कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि एल-1 एवं एल-2 के स्तर पर जो भी शिकायतें लंबित हैं उनका निस्तारण तत्परता से करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में एल-1 पर 137 तथा एल-2 पर 34 शिकायतें निस्तारण हेतु लंबित हैं। जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण भी शीघ्रता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसमें किसी भी प्रकार की कोई ढिलाई न बरती जाए। इसके अलावा जिलाधिकारी ने 20 सूत्रीय कार्यक्रम की भी समीक्षा की उन्होंने बी, सी एवं डी श्रेणी में चल रहे विभागों को ए श्रेणी में आने के लिए अनिवार्य कार्य तत्परता से करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर प्रभागीय वन अधिकारी रुद्रप्रयाग कल्याणी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, उप जिलाधिकारी आशीष चंद्र घिल्डियाल, जखोली भगत सिंह फोनिया, ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध घिल्डियाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास अखिलेश मिश्रा, शिकायत प्रकोष्ठ प्रभारी विनोद कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आये ग्रामीण मौजूद रहे।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में हुआ करोडों का घोटालाः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट व नगर निगम ने मिलकर सैकडों करोड रूपये का घोटाला किया है।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि देहरादून स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में उत्तराखंड सरकार, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट व नगर निगम ने मिल कर सैकड़ों करोड़ रूपए का घोटाला किया है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने देहरादून की तत्कालीन जिलाधिकारी जो स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की सीईओ भी हैं ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के पूरे होने की घोषणा करते हुए कहा कि देहरादून स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट अब पूरा हो गया है और अब कोई भी कार्य इस परियोजना के तहत नहीं होंगे। श्री धस्माना ने कहा कि राज्य सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की सीईओ व नगर निगम के तत्कालीन मेयर जो इस परियोजना के पदेन अध्यक्ष थे देहरादून की जनता को यह बताएं कि स्मार्ट सिटी क्या और कैसे होती है। उन्होने कहा कि क्या चार सड़कों की रंगाई पुताई उनमें प्रकाश व्यवस्था उनकी दीवारों पर रंगीन चित्रकारी कर देहरादून स्मार्ट हो गया। धस्माना ने कहा कि क्या स्मार्ट सिटी के सरकारी अस्पतालों को, देहरादून की ट्रैफिक व्यवस्था को, देहरादून के सरकारी स्कूलों को, देहरादून की सफाई व्यवस्था को शहर के ड्रेनेज सिस्टम,पेयजल,सीवर सिस्टम को बदहाल छोड़ कर शहर को स्मार्ट कहा जा सकता है। धस्माना ने कहा कि जिस शहर में और वो भी राजधानी में सरकारी मेडिकल कालेज के अस्पताल के शौचालय में नवजात शिशु टॉयलेट पॉट में मृत फंसा हुआ मिले , जिस शहर की साठ फीसदी ट्रैफिक लाइट्स चलती ही ना हों, जिस शहर के रेलवे स्टेशन और आई एस बी टी में यात्रियों और सैलानियों को उतरते ही सड़क में गड्ढे और गंदगी मिले क्या वह शहर स्मार्ट कहलाने योग्य है। धस्माना ने कहा कि स्मार्ट सिटी के नाम पर देहरादून की जनता के साथ जो छल कपट व भ्रष्टाचार उत्तराखंड की भाजपा सरकार , स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट व नगर निगम ने किया है उसकी पोल खोलने का संकल्प ले कर अभियान शुरू किया है और गड्ढों में सड़क और सड़कों में गड्ढे अभियान के साथ साथ अब देहरादून के सरकारी अस्पतालों, स्कूलों, ट्रैफिक व्यवस्था,जल भराव, सीवर पानी सफाई बिजली व्यवस्थाओं की पोल खोलने का अभियान चलाया जाएगा। धस्माना ने कहा कि उनके अभियान को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है और बड़ी संख्या में लोग फेस बुक लाइव से जुड़ कर अभियान को समर्थन दे रहे हैं।

घर के बने लिप बाम का करें इस्तेमाल, लिप्स बने रहेंगे पिंक

कई बार बदलते मौसम, धूम्रपान, विटामिन की कमी और एलर्जी के कारण होंठ काले और सुस्त हो जाते हैं। ऐसे में खुद को हाइड्रेट रखना जरूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। इसके अलावा आप रूखे और बेजान होंठों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए कई घरेलू उपाय भी आजमा सकते हैं। गुलाबी और स्वस्थ होंठों के लिए आप कौन से घरेलू उपचार आजमा सकते हैं आइए जानें।

दूध डार्क स्किन को रिपेयर करने का काम करता है। दूध पिगमेंटेशन को दूर करता है। गुलाब की पंखुड़ियां हमारे होठों को पोषण और मुलायम बनाती हैं। इसके लिए 6 गुलाब की पंखुड़ियां आधा कप दूध में रात भर भिगो दें। सुबह पंखुड़ियों को निकाल कर मैश करके पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में दूध मिलाएं और अपने होठों पर लगाएं। इसे लगभग 15 मिनट तक लगा रहने दें और ठंडे पानी से धो लें। आप इसका इस्तेमाल सुबह और शाम के समय कर सकते हैं। डबल प्रोटेक्शन के लिए आप लिप सीरम या लिप बाम भी लगा सकती हैं।

चुकंदर के जूस, चीनी और नींबू के रस को मिलाकर स्क्रब बनाएं। 1 चम्मच चुकंदर का जूस, 1 चम्मच चीनी और 4 से 5 बूंदें नींबू के रस को मिलाकर स्क्रब बनाएं। इसे कॉटन से होंठो पर लगाकर 4 से 5 मिनट तक मसाज करें। इस पेस्ट को होंठों पर 1० मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद ठंड़े पानी से धो ले। आप चुकंदर से पेस्ट भी बना सकते हैं। इसके लिए चुकंदर को सुखाकर पाउडर मिला लें। फिर इसमें ऑलिव ऑयल मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कुछ देर के लिए होंठों पर लगा रहने दें। इसके बाद इसे हटा दें।

होठों के काले होने का एक कारण होठों पर जमी मृत त्वचा भी है। इसलिए होठों को गुलाबी रखने के लिए एक्सफोलिएट करना भी जरूरी है। इसके लिए एक चम्मच शहद में एक चम्मच चीनी मिलाएं और इस स्क्रब से अपने होठों पर मसाज करें। स्क्रब को 5 मिनट तक लगा रहने दें और फिर धो लें। हफ्ते में तीन बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऑलिव ऑयल लगाने से आपके होंठ खूबसूरत होते हैं। होंठों पर ऑलिव ऑयल की कुछ बूंदे लगाकर मसाज करें। शहद से अपने होंठों की दिन में 2 बार मसाज करें। कुछ ही दिनों में इस उपाय से होंठ नर्म और पिंक होने लगेंगे। कालें होंठों से बचने के लिए नींबू भी बहुत फायदेमंद होता है। नींबू के रस को दिन में 2 बार अपने होंठों पर लगाएं। इसके अलावा ग्लिसरीन, शहद और थोड़ा नींबू का रस मिलाकर पेस्ट सोने से पहले लगा लें। सुबह अपने होंठों को साफ कर लें।

कपड़े पर लग जाए सूप के दाग तो इन आसान तरीकों से करें साफ

अकसर सूप परोसते या पीते समय कपड़े पर गिर जाता है और इससे कपड़े पर दाग लग जाता जो बेहद जिद्दी होता है। भले ही सूप के दाग को कपड़े से छुड़ाने के लिए कितने भी महंगे डिटर्जेंट का इस्तेमाल कर लिया जाए, लेकिन ये टस से मस नहीं होते। आइए आज हम आपको कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बताते हैं, जिन्हें अपनाकर कपड़े पर लगे सूप के दाग को आसानी से साफ किया जा सकता है।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का इस्तेमाल करके आप बहुत आसानी से कपड़े पर लगे सूप के दाग साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक से दो चम्मच हाइड्रोजन पेरॉक्साइड के साथ एक चम्मच नींबू रस का अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को कपड़े की दाग से प्रभावित जगह पर लगाकर पांच से सात मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद कपड़े को सामान्य तरीके से धोकर सुखा दें। कपड़ों से किसी भी तरह के जिद्दी दाग हटाने के लिए रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि यह एक अच्छा क्लीनिंग सॉल्यूशन है। अगर आपके किसी कपड़े पर सूप के दाग लग गए हैं तो दाग वाली जगह पर रबिंग अल्कोहल की कुछ बूंदे डालकर 1०-15 मिनट के लिए कपड़े को ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से कपड़े को धोकर सुखा दें। इससे दाग आसानी से साफ हो जाएगा। बेकिंग सोडा में ब्लीचिंग गुण मौजूद होता है और यह कपड़ों को नुकसान पहुंचाए बिना ही किसी भी तरह के दाग को साफ कर सकता है। सूप के दाग छुड़ाने के लिए थोड़ा सा बेकिंग सोडा कुछ देर के लिए कपड़े की उस जगह पर डालकर छोड़ दें जहां दाग लगा है। इसके बाद ब्रश से दाग को अच्छे से रगड़ें, फिर कपड़े को गुनगुने पानी से धोकर सुखा दें। अगर आपके किसी कपड़े पर सूप का दाग लग गया है तो उसे अच्छे से साफ करने के लिए आप अमोनिया के घोल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अमोनिया के घोल को किसी बोतल में डालकर कपड़े की दाग वाली जगह पर छिड़के, फिर कपड़े को साफ पानी से धो लें। बता दें कि मार्केट से आपको सही दाम में अमोनिया का घोल आसानी से मिल जाएगा। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हर आयु वर्ग के लोगों को रोजाना चलना चाहिए पैदल, मिलेंगे कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे

शरीर को स्वस्थ रखने और वजन घटाने के लिए पैदल चलना फायदेमंद होता है। यह एक तरह की कम तीव्रता वाली एक्सरसाइज होती है।आम तौर पर लोग खाना खाने के बाद या सुबह के समय सैर करने जाते हैं। हालांकि, सभी के मन में यह सवाल उठता है कि रोजाना आखिर कितनी दूर पैदल चलना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।आइए जानते हैं हर आयु के लोगों को रोजाना कितनी दूर पैदल चलना चाहिए।

बच्चों के लिए हर दिन इतनी दूर चलना है सही

छोटे बच्चों और किशोरों की ऊर्जा का स्तर बड़ों की तुलना में अधिक होता है। उनके लिए पैदल चलना स्वस्थ रहने का एक मजेदार तरीका हो सकता है।बच्चों और किशोरों को हर दिन कम से कम 6० मिनट तक 12,००० से 15,००० कदम की दूरी तय करनी चाहिए।रोजाना इस लक्ष्य को पूरा करने से न केवल उनका शारीरिक स्वास्थ्य सुधरता है, बल्कि धीरे-धीरे सैर करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन जाता है।

बड़ों को रोजाना इतनी दूर चलना चाहिए

बड़ों के लिए खुद को एक्टिव रखना मुश्किल होता है, क्योंकि वे काम में व्यस्त हो जाते हैं। हालांकि, रोजाना कुछ देर पैदल चलना वयस्कों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी होता है।आम तौर पर बड़ों को हर दिन करीब 3० मिनट तक पैदल चलना चाहिए। रोजाना 1०,००० कदम चलने या 5 से 8 किलोमीटर दूर तक चलने का लक्ष्य रखें।आप रोजाना 1०० कदम चलने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ये तरीके अपनाएं।

बुजुर्गों को इतनी दूर तक ही करनी चाहिए सैर

जैसे-जैसे लोगों की उम्र बढ़ती है, उनके पैर और शरीर कमजोर पडने् लगते हैं। इस कारण उनके लिए रोजाना पैदल चल पाना मुश्किल हो जाता है।हालांकि, स्वास्थ्य के लिहाज से यह जरूरी भी होता है।

रिपोर्ट के मुताबिक बुजुर्ग लोगों को प्रतिदिन 7,००० से 1०,००० कदम या लगभग 3 से 3.5 मील तक चलना चाहिए।हालांकि, बुढ़ापे में सभी लोगों को अपने शरीर की ताकत के मुताबिक ही शारीरिक गतिविधियां करनी चाहिए।

पैदल चलते समय रखें इन बातों का ध्यान

सभी उम्र के लोगों को पैदल चलने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जो उन्हें स्वस्थ बनाए रखने में योगदान देंगी।सैर करने की शुरुआत में अपनी गति को धीमा रखें और धीरे-धीरे करके ही दूरी को बढ़ाएं। अपने पास पानी की एक बोतल रखें और पैदल चलने से पहले और बाद में पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं।साथ ही आपको पैदल चलने के लिए एक आरामदायक जूता पहनना चाहिए और हल्के कपड़े चुनने चाहिए।

रोजाना पैदल चलने के फायदे

रोजाना कुछ देर पैदल चलने की आदत आपके वजन को नियंत्रित रखने में मदद करेगी। इस गतिविधि के जरिए आपके दिल का स्वास्थ्य दुरुस्त रहेगा, ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखेगा और आपकी हड्डियां भी मजबूत रहेंगी।इसके अलावा, रोजाना 3० मिनट पैदल चलने से आपका मूड भी अच्छा हो जाएगा, आपको आरामदायक नींद मिल सकेगी और आप ऊर्जावान भी बने रहेंगे।आप पैदल चलने के अलावा नांच कर भी वजन घटा सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -75

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4		■	■	5
	■	6			■	7		
8	9	■	■	10	11		■	
■		■	12	■	13			
14		■	15				■	■
■	16			■	■	■	17	18
19	■	■	20	21	22	■	23	
	■	24	■	25		26		■
27					■	28		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 74 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

कंगना शर्मा ने रिवीलिंग आउटफिट पहन दिए पोज

फिल्म ग्रेट ग्रेंड मस्ती और उल्लू एप पर सबसे ज्यादा बार देखी जाने वाली वेब सीरीज मोना होम डिलीवरी फेम एक्ट्रेस कंगना शर्मा इन दिनों सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं।

एक्ट्रेस कंगना शर्मा अपने बोल्ड व सेक्सी अवतार के लिए जानी जाती हैं. कंगना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बोल्डनेस का तडका लगाने वाली एक्ट्रेस कंगना शर्मा इन दिनों सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों से तहलका मचा रही हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से सेक्सी तस्वीरें शेयर की हैं. कंगना ने एनिमल प्रिंटेड थाई-हाई स्लिट गाउन पहना है, लाइट मेकअप के साथ बाल खुले रखे हैं और सेक्सी पोज देते हुए नजर आ रही हैं. यूजर्स का एक्ट्रेस की खूबसूरती से नजरें हटाना मुश्किल हो रहा है.

बॉलीवुड डिवा कंगना शर्मा का अपने फिटनेस के पीछे छिपे राज को लेकर कहती हैं कि वह अच्छी और हेल्थी डाइट फॉलो करती हैं।

बता दें कि कंगना शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में एक मॉडल के रूप में की थी। कंगना शर्मा हार्डी संधू का यार नी मइला, पूजा सिंह के परदें में फिर से, नछत्तर गिल का जान लेन तक, जॉनी सेठ का ब्यूटी ओवरलोड और इक्का के निंद्रा जैसे म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं।

फैंस कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट ड्रॉप कर रहे हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि इंस्टाग्राम पर कंगना शर्मा की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है।

27 सितंबर को जी5 पर प्रीमियर के लिए तैयार सोभिता धुलिपाला स्टारर लव सितारा!

सोभिता धुलिपाला की नई फिल्म लव सितारा का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज़ हो चुका है। यह फिल्म 27 सितंबर को जी5 पर प्रीमियर के लिए तैयार है। फिल्म का निर्देशन वंदना कटारिया ने किया है और इसे रोनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है। जी5 ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, यह एक कहानी है प्यार, दिल टूटने और आत्म-खोज की। देखिए लव सितारा, 27 सितंबर से केवल जी5 पर। फिल्म के पोस्टर में सोभिता धुलिपाला के किरदार को दर्शाया गया है, जो फिल्म के गहरे और भावुक विषयों की झलक देता है। लव सितारा की यह कहानी दर्शकों को प्यार और दिल के दर्द की यात्रा पर ले जाएगी।

शोभिता धुलिपाला ने अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए कहा, सितारा का किरदार निभाना मेरे लिए एक बदलावकारी अनुभव रहा है। सितारा एक ऐसा किरदार है जो पारिवारिक गतिशीलता और अपनी पसंद से जूझ रही है। मुझे इस भूमिका की ओर आकर्षित करने वाली बात एक ऐसी महिला की कहानी है जो अपनी कंडीशनिंग से मुक्त होने और खुद के प्रति सच्ची रहने का साहस पाती है। कोविड लॉकडाउन के दौरान केरल में फिल्मांकन चुनौतीपूर्ण था, लेकिन फायदेमंद भी रहा। मुझे उम्मीद है कि यह दिल को छू लेने वाली कहानी दर्शकों को उतनी ही पसंद आएगी, जितनी कि इसमें शामिल हम सभी को पसंद आई।

अर्जुन की भूमिका निभाने वाले राजीव सिद्धार्थ ने फिल्म के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, अर्जुन एक महत्वाकांक्षी शेफ है, जिसकी शादी से ठीक पहले उसकी ज़िंदगी में अचानक बदलाव आता है। इस फिल्म के किरदार बहुत वास्तविक और जटिल हैं, और मुझे विश्वास है कि दर्शक उनकी भावनात्मक यात्रा से गहराई से जुड़ेंगे। इतने प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ काम करना एक बड़ा सम्मान था, और मुझे विश्वास है कि लव, सितारा दर्शकों को पसंद आएगी।

निर्देशक वंदना कटारिया ने इस प्रोजेक्ट पर टिप्पणी करते हुए कहा, लव सितारा एक पारिवारिक ड्रामा के भीतर सेट की गई क्लासिक बॉलीवुड प्रेम कहानी का एक नया रूप है। कोविड लॉकडाउन के दौरान फिल्मांकन की चुनौतियों के बावजूद, इस फिल्म को बनाने का सफर अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। मुझे उम्मीद है कि यह प्यार, क्षमा और शादी के बारे में सार्थक बातचीत को बढ़ावा देगा।

कुबेर के नए पोस्टर में दिखा धनुष-नागार्जुन का इटेंस लुक

धनुष की आने वाली फिल्म कुबेर अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। शेखर कम्मुला निर्देशित यह फिल्म 31 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उसके पहले हाल ही में मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के शुभ दिन पर मोस्ट अवेटेड फिल्म का पोस्टर रिलीज किया है। जिसमें धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी अलग ही अवतार में नजर आ रहे हैं। दोनों अपोजिट कैरेक्टर में हैं लेकिन दोनों के चेहरे पर ही गंभीरता और निडरता देखी जा सकती है। कुबेर के मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया जिसे देखते ही फैंस खुश और एक्साइटेड हो गए। धनुष जहां पूरी दाढ़ी और बढ़े हुए बालों के साथ एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, वहीं उनके अजीबोगरीब अपीयरेंस ने सभी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि फिल्म किस बारे में होगी। दूसरी ओर नागार्जुन अक्किनेनी एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, उनका लुक काफी इंटेंस नजर आ रहा है। इनके अलावा, फिल्म में रश्मिका मंदाना, जिम सर्भ, दलीप ताहिल जैसे सितारे भी हैं। शेखर कम्मुला के साथ, फिल्म को एमिगोस क्रिएशन ने प्रोड्यूस किया है वहीं इसका म्यूजिक देवी श्री प्रसाद ने दिया है। कुछ वक्त पहले ही कुबेर के एक पोस्टर में धनुष का मासूम चेहरा दिखाया गया है। बदन पर फटा और गंदा कपड़ा, लंबी दाढ़ी-मूंछ में धनुष की मासूमियत और गरीबी साफ दिखाई दे रही हैं। इस पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक्टर फिल्म में एक ऐसी पर्सनालिटी को रिप्रेजेंट करेंगे, जो अपनी गरीबी और समस्याओं से जूझ रहा है। वहीं 5 जुलाई, 2024 को मेकर्स ने कुबेर से रश्मिका मंदाना की पहली झलक शेयर की थी। वीडियो में एक्ट्रेस एक घने जंगल के अंदर जमीन खोदती है और उसके अंदर से उन्हें पैसे से भरा बैग मिलता है। (आरएनएस)

स्त्री 2 को टक्कर देगी अक्षय कुमार की फिल्म!

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, पिछले दिनों उन्होंने अपने 57वें जन्मदिन पर अपनी नई फिल्म की अनाउंसमेंट का हिंट दिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक मोशन पोस्टर शेयर करते हुए फैंस के बीच खलबली मचा दी है।पोस्टर शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन लिखा- गणपति बप्पा मोरया! कुछ स्पेशल अनाउंस करने के लिए आज के दिन से बेहतर क्या हो सकता है। आपको कुछ खास मिलने वाला है लेकिन इसका खुलासा मेरे जन्मदिन पर होगा। देखते रहिए। अक्षय ने कथित तौर पर फिल्म मेकर प्रियदर्शन के साथ मिलकर एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म बनाई है और इसका अनाउंसमेंट उनके जन्मदिन यानी 9 सितंबर को होने की उम्मीद है। दोनों ने 14 साल पहले फिल्म खट्टा-मीठा के लिए साथ काम किया था। हालांकि इस नई हॉरर-कॉमेडी के बारे में अभी ज्यादा कुछ डिटेल सामने नहीं आई है लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म ब्लैक मैजिक के बारे में होगी और इसमें अक्षय तीन एक्ट्रेसेस के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म के अधिकांश भाग हैदराबाद, केरल के एक जंगल, श्रीलंका में शूट किए जाने हैं, वहीं इसका आखिरी शेड्यूल अगले साल गुजरात में होगा। अक्षय के किरदार की जानकारी मोशन पोस्टर में सामने आने की संभावना है। फिल्म की टीम अभी भी बाकी की कास्टिंग को फाइनल कर रही है। वहीं खबरों के मुताबिक फिल्म में कियारा आडवाणी, कीर्ति सुरेश और आलिया भट्ट इस फिल्म में एक साथ काम कर सकती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय की हालिया रिलीज फिल्म खेल खेल में थी जिसमें उनके साथ वाणी कपूर, तापसी पन्नू, फरदीन खान जैसे कलाकारों ने काम किया है। वहीं अक्षय ने श्रद्धा कपूर-राजकुमार राव स्टारर स्त्री 2 में भी कैमियो किया था।

जूनियर एनटीआर की देवरा ने यूएसए प्री-सेल्स में की छप्परफाड़ कमाई

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की पैन इंडिया फिल्म देवरा को लेकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. वहीं देवरा के बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करने की उम्मीद है अभी रिलीज में दस दिन बाकी हैं और देवरा ने अमेरिका में प्री-सेल्स में रिकॉर्ड ब्रेकिंग कमाई की है. आइए जानते हैं देवरा की अमेरिका में प्रीसेल में कितनी टिकट्स बिकीं और इसने रिलीज से पहले कितनी कमाई की.

सिनेमाघरों में देवरा के आने में सिर्फ 10 दिन बचे हैं, और 'मैन ऑफ मास' एनटीआर जूनियर स्टारर मोस्ट अवेटे पैन इंडिया फिल्म देवरा पहले से ही ब्लॉकबस्टर के रूप में धूम मचा रही है, और अपने प्रीमियर प्री-सेल्स में रिकॉर्ड तोड़ रही है. देवरा का बुखार भारत के बाहर भी फैल गया है, और इसने वर्ल्डवाइड कई रिकॉर्ड्स भी तोड़ दिए हैं. आपको बता दें कि देवरा ने अपने यूएसए प्रीमियर प्री-सेल्स के सिर्फ 10 दिनों में 45,000 टिकट बेचे हैं, जो भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ा माइलस्टोन है. सिर्फ नॉर्थ अमेरिका में फिल्म ने 1.75 मिलियन डॉलर से ज्यादा की बिक्री की है और यह अभी भी बढ़ती ही जा रही है. फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही काफी चर्चा में है, जिसे यूट्यूब पर 55 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया और यह काफी ट्रेंड भी कर रहा है. रिलीज से पहले ही देवरा बड़ी पैन इंडिया फिल्म बन गई है. देवरा: पार्ट 1, 27 सितंबर 2024 को रिलीज होने वाली है. एनटीआर जूनियर के साथ, फिल्म में जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान भी अहम रोल में हैं. तेलुगु एक्शन फिल्म देवरा: पार्ट 1 को कोरटाला शिवा निर्देशित कर रहे हैं.

घाटी में बसे दो प्रकार के वर्ग

बलबीर पुंज

अब्दुल्ला-मुफ्ती परिवारों का दोहरा मापदंड किसी से छिपा नहीं है। यह लोग जब दिल्ली में होते है, तब सेकुलरवाद', एकता, शांति, भाईचारे की बात करते हुए एकाएक भावुक हो जाते है। किंतु घाटी लौटते ही उनके भाषणों/वक्तव्यों में भारतीय एकता-अखंडता के प्रति घृणा, तो बहुलतावाद-लोकतंत्र विरोधी इस्लामी कट्टरपंथियों के लिए सहानुभूति दिखती है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव तीन चरणों में संपन्न होंगे। चुनाव का मुद्दा क्या है? क्या कश्मीर वर्ष 2०19 से पहले के उस कालखंड में लौटे, जब क्षेत्र में सभी आर्थिक गतिविधियां बंद थी, विकास कार्यों पर लगभग अघोषित प्रतिबंध था, सेना-पुलिसबलों पर लगातार पत्थरबाजी होती थी, गाए-बगाए अलगाववादियों द्वारा बंद बुला लिया जाता था और वातावरण पाकिस्तान जिंदाबाद' जैसे भारत विरोधी नारों से दूषित होता रहता था? या फिर इस केंद्र शासित प्रदेश में बीते पांच वर्षों की भांति वैसी विकास की धारा बहती रहे, जिसके कारण कश्मीर तुलमात्मक रूप से शांत है, देश के शेष हिस्सों की तरह संविधान-कानून का इकबाल है और बहुलतावादी संस्कृति के साथ समरसता से युक्त वातावरण है?

यह प्रश्न इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि इस चुनाव में जम्मू-कश्मीर के बड़े क्षत्रप दल नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है, जिसका घोषणापत्र मतदाताओं से वादा करता है कि सत्ता में लौटने पर उस जहरीली धारा 37०-35ए को भारतीय संविधान में बहाल करेंगे, जिसके सक्रिय रहते (अगस्त 2०19 से पहले) पूरा सूबा अंधकार में था, पर्यटक आने से कतराते थे, सिनेमाघरों पर ताला लगा हुआ था, मजहब केंद्रित आतंकवाद, पाकिस्तान समर्थित अलगाववाद का वर्चस्व था और शेष देश की भांति दलित-वंचितों के साथ आदिवासियों को मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों (आरक्षण सहित) पर डाका था।

धारा 37०-35ए के संवैधानिक परिमार्जन के बाद जम्मू-कश्मीर पिछले पांच वर्षों से गुलजार हो रहा है। तिरंगामयी हो चुके श्रीनगर स्थित लालचौक की रौनक देखते ही बनती है। पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। तीन दशक से अधिक के लंबे फासले के बाद नए-पुराने सिनेमाघर संचालित हो रहे हैं। देर रात तक लोग प्रसिद्ध शिकारा की सवारी का आनंद ले रहे हैं। स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालय भी सुचारू रूप से चल रहे हैं। दुकानें भी लंबे समय तक खुली रहती हैं। स्थानीय लोगों का जीवनस्तर सुधर रहा है। जिहादी दंश झेलने के बाद वर्षों पहले घाटी छोड़कर गए कश्मीरी पंडित धीरे-धीरे लौटने लगे है।

बदली परिस्थिति में जी-2० सम्मेलन हो चुका है, तो फिल्म निर्माता-निर्देशक घाटी की ओर फिर से आकर्षित होने लगे है। जम्मू-कश्मीर की नई औद्योगिक नीति के अंतर्गत, देश-विदेश से लगभग सवा लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं, जिससे प्रदेश में 4।69 लाख रोजगार पैदा होने का अनुमान है। यहां तक, गत वर्ष कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी श्रीनगर में तिरंगे के साथ अपनी महत्वकांक्षी भारत जोड़ो यात्रा' का समापन कर चुके है। अगस्त 2०19 से पहले क्या स्थिति थी, यह पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे के हालिया वक्तव्य से स्पष्ट है।

जम्मू-कश्मीर का एक वर्ग पाकिस्तानी मानसिकता से ग्रस्त है। चूंकि पाकिस्तान किसी देश का नाम न होकर स्वयं में एक विचारधारा है और काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरणा पाता है, इसलिए घाटी के कुछ नेता इसी चिंतन का प्रतिनिधित्व करते हुए क्षेत्र को पुराने, मजहबी, अराजकवादी और मध्यकालीन दौर में लौटाना चाहते है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी भी घाटी में इसी विभाजनकारी मानस के प्रमुख झंडाबरदार है। जातिगत जनगणना की हिमायती कांग्रेस का गठबंधन उसी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ है, जिसने अपने चुनावी घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर में सभी आरक्षणों की समीक्षा' करने की भी बात कही है। यह वादा क्षेत्र में वाल्मिकी-आदिवासी समाज के साथ मुस्लिम गुज्जर और बकरवालों के अधिकारों पर कुठाराघात करता है। यही नहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से अलगाववाद से प्रेरित स्वायत्तता' की बात कर रहा है। उनके घोषणापत्र में उन कैदियों को रिहा करने का वादा किया गया है, जो आतंकवादी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के शामिल होने के कारण जेल में बंद है। साथ ही उसमें श्रीनगर के प्रसिद्ध शंकराचार्य पर्वत को तख्त-ए-सुलेमान' और हरि पर्वत किले को कोह-ए-मरान' के रूप में संदर्भित किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में प्रमुख क्षत्रपों के अतिरिक्त सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस' और अल्ताफ बुखारी की जेके अपनी पार्टी' के साथ जेल में बंद अलगाववादी शेख अब्दुल राशिद (राशिद इंजीनियर) की अवामी इत्तेहाद पार्टी' भी चुनावी मैदान में है। जब से राशिद इंजीनियर ने इस वर्ष बारामूला की लोकसभा सीट से नेशनल कॉन्फ्रेंस के शीर्ष नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बुरी तरह परास्त किया है, तब से आशंका जताई जा रही हैं कि राशिद एक प्रभावशाली ताकत बनकर उभर सकते है, जो क्षेत्र के साथ शेष देश के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

लोकसभा चुनाव में उमर की करारी हार ने घाटी में अधिकांश सीटें जीतकर वापसी की उम्मीद कर रही नेशनल कॉन्फ्रेंस की स्थिति को धुंधला किया है। इसी हताशा और अवसरवाद की खोज में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया है, जो गुलाम नबी आजाद द्वारा अगस्त 2०22 में पार्टी छोड़ने के बाद लगभग कमजोर हो चुकी है। बात यदि पीडीपी की करें, तो उसकी शीर्ष नेत्री और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को भी अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट पर हार का मुंह देखना पड़ा था। उमर और महबूबा की हार से स्पष्ट है कि घाटी के लोग परिवारवादियों से मुक्ति चाहते है। राष्ट्रीय दल के रूप में भाजपा एक बड़ी पार्टी है, जिसका 43 विधानसभा सीटों वाले जम्मू क्षेत्र में मजबूत आधार है।

अब्दुल्ला-मुफ्ती परिवारों का दोहरा मापदंड किसी से छिपा नहीं है। यह लोग जब दिल्ली में होते है, तब सेकुलरवाद', एकता, शांति, भाईचारे की बात करते हुए एकाएक भावुक हो जाते है। किंतु घाटी लौटते ही उनके भाषणों/वक्तव्यों में भारतीय एकता-अखंडता के प्रति घृणा, तो बहुलतावाद-लोकतंत्र विरोधी इस्लामी कट्टरपंथियों के लिए सहानुभूति दिखती है। सच तो यह है कि घाटी में बसे दो प्रकार के वर्ग- भारत-हितैषी और भारत-विरोधी, इन राजनीतिक परिवारों की असलियत जान चुके है और इनसे छुटकारा पाना चाहते है।

यह कहना तो कठिन है कि घाटी की जनता किस ओर जाएगी। इसका खुलासा 8 अक्टूबर को ईवीएम आधारित मतगणना के बाद हो जाएगा। परंतु इतना स्पष्ट कहा जा सकता है कि यदि प्रदेश को इसी तरह विकास के पथ पर चलना है और अलगाववादी-सांप्रदायिक-अराजक तत्वों से छुटाकारा पाना है, तो उन्हें संकीर्ण और मध्यकालीन मजहबी मानसिकता से ऊपर से उठकर सोचना होगा।

सू- दोकू क्र. 75

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 74 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

पूजा हेगड़े को प्रशंसकों के पसंदीदा गीतों पर प्रस्तुति देना लगता है अच्छा

फिल्म अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने दुबई में दक्षिण भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (एसआईआईएमए) में बुट्टा बोम्मा और सिटी मार जैसे लोकप्रिय ट्रैक पर शानदार प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा, प्रशंसकों के पसंदीदा गीतों पर प्रदर्शन करना उनके लिए एक अविश्वसनीय अनुभव रहता है।

उन्होंने कहा, प्रशंसकों के पसंदीदा गानों पर परफॉर्म करना हमेशा एक अविश्वसनीय अनुभव होता है। उनका अटूट प्यार ही इसे इतना खास बनाता है।

अभिनेत्री ने कहा, दर्शकों की ऊर्जा और शहर का माहौल वाकई बेमिसाल है। परफॉर्म करते हुए मुझे बहुत मजा आया।

बता दें कि दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 14 और 15 सितंबर को दक्षिण भारतीय सिनेमा के तत्वावधान में (एसआईआईएमए) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने, अला वैकुंठपुरमुलू के ट्रैक बुट्टा बोम्मा, बीस्ट के अरबी कुथु और दुव्वादा जगन्नाधम के हाई-एनर्जी सीटी मार पर परफॉर्म किया।

अभिनेत्री की अगली फिल्म शाहिद कपूर के साथ एक्शन थ्रिलर देवा है, जिसे निर्देशक रोशन एंड्रयूज ने निर्देशित किया है। वह सूर्या 44 में भी नजर आएंगी।

पूजा ने कहा, हमारा काम मनोरंजन करना है, और पुरस्कार समारोह हमें यह सर्वश्रेष्ठ करने को प्रेरित करता है। पुरस्कार प्राप्त करना एक अविश्वसनीय एहसास है और इस वर्ष सभी योग्य विजेताओं को बधाई।

उन्होंने कहा, मेरा इस एसोसिएशन से बहुत अच्छा जुड़ाव है और इस कार्यक्रम में मेरे पिछले प्रदर्शन के दौरान मुझे जो प्यार मिला, वह अविश्वसनीय था। मैं इस वर्ष भी अपने प्रदर्शन के लिए उत्साहित हूं।

समारोह में पूजा के अलावा निधि अग्रवाल, श्रिया सरन, अविका गोर, शानवी श्रीवास्तव, नेहा शेट्टी, फारिया अब्दुल्ला और अशोक गल्ला ने प्रस्तुति दिया।

करियर की बात करे तो पूजा ने साल 2०1० के आई एम शी-मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता में दूसरी रनर-अप थीं। साल 2०12 में उन्होंने तमिल फिल्म मुगामूडी से अभिनय की शुरुआत की। उनकी पहली तेलुगु फिल्म 2०14 में ओका लैला कोसम के साथ आई। इसमें नागा चैतन्य मुख्य भूमिका में थे।

उन्होंने 2०16 में एक्शन फि़ल्म मोहनजो दारो से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जिसे आशुतोष गोवारिकर ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फि़ल्म में ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में थे और यह प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता पर आधारित थी।

पूजा हाउसफुल 4, राधे श्याम, सर्कस और हाल ही में किसी का भाई किसी की जान जैसी हिंदी फि़ल्मों में नजर आ चुकी हैं।

डेमोग्राफी चेंज भाजपा जनित मुद्दा: करन

विशेष संवाददाता

देहरादून। डेमोग्राफी चेंज, लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसे मुद्दे क्या उत्तराखंड की धामी सरकार द्वारा पैदा किए गए मनगढ़ंत मुद्दे हैं या फिर वास्तव में यह एक जमीनी हकीकत है? यह सवाल इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि इन मुद्दों को लेकर अब पक्ष-विपक्ष आमने-सामने है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा द्वारा इन मुद्दों को लेकर सूबे की भाजपा सरकार पर जो सवाल उठाए गए हैं उन पर गौर किया जाना जरूरी है। माहरा का कहना है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बीते कुछ समय से राज्य की डेमोग्राफी चेंज के मुद्दे को जोर-शोर से उठते रहे हैं। जबकि राज्य में ऐसा कहीं भी कुछ भी नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि राज्य में अनाधिकृत रूप से आकर कोई कैसे बस सकता है वह भी इतनी बड़ी संख्या में कि वह आपके अधिकारों और संस्कृति को प्रभावित या दूषित कर सके। आमतौर पर अन्य तमाम राज्यों में दूसरे राज्यों के लोग आते जाते हैं रहते हैं तथा काम धंधा भी करते हैं यह उत्तराखंड के लिए कोई अलग या नई बात तो है नहीं। उनका कहना है कि अगर वास्तव में ऐसा कुछ कहीं होता है तो समझ में आता लेकिन कहीं कुछ ऐसा धरातल पर नहीं होता दिख रहा है। सत्ता में बैठे लोग लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसे मुद्दों को हवा देकर प्रदेशवासियों के मन में डर और भय पैदा कर रहे हैं।

❑भाजपा विधायक मुन्ना सिंह बोले- कांग्रेस की सोच हैरान करने वाली

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष माहरा के इस तरह के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने कहा है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का यह बयान और सोच हैरान करने वाली है। उनका कहना है कि या तो उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है या फिर वह जानबूझकर इस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार वार्ता कर इस तरह की बातें कहना हैरान करता है। सरकार द्वारा अवैध रूप से कब्जायी गयी जमीनों को खाली कराया जाना और आए दिन बाहरी लोगों द्वारा लड़कियों व महिलाओं से की जाने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है।

निगम चुनाव 2011 की आबादी के हिसाब से हो: शर्मा

संवाददाता

देहरादून। पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने मांग की है कि देहरादून नगर निगम का चुनाव 2011 की आबादी के हिसाब से कराया जाए।

आज यहां महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लाल चंद शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने एकल सदस्यीय समर्पित आयोग के अध्यक्ष बीएस वर्मा से मुलाकात कर देहरादून नगर निगम चुनाव में न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व की मांग की। लाल चंद शर्मा ने कहा कि 2011 की आबादी के हिसाब से होने चाहिए। महानगर कांग्रेस ने मांग की है कि देहरादून नगर निगम का चुनाव 2011 की आबादी के हिसाब से कराया जाए। इससे नगर निगम में वास्तविक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा और मतदाताओं के अधिकारों का संरक्षण होगा। राज कुमार ने कहा 2018 के ओबीसी सर्वे को लागू कराया जाने चाहिए उन्होंने मांग की है कि 2018 में हुए ओबीसी सर्वे को लागू किया जाए। इससे अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों को उनके अधिकार मिलेंगे और समाज में समानता का मार्ग प्रशस्त होगा। ओबीसी सर्वे के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन हो। इससे ओबीसी वर्ग के लोगों के अधिकारों का संरक्षण होगा और समाज में न्यायपूर्णता का मार्ग प्रशस्त होगा।

उन्होंनें कहा आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण महानगर कांग्रेस ने मांग की है कि आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण तय हो। इससे नगर निगम में वास्तविक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा और मतदाताओं के अधिकारों का संरक्षण होगा। लाल चंद शर्मा ने आयोग से अनुरोध किया है कि वह इन मांगों पर विचार करे और जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करे। महानगर कांग्रेस नगर निगम चुनाव में न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व के लिए प्रतिबद्ध है। इन दौरान प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता दीप वोहरा, राकेश पंवार भी मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में एक की मौत, ग्राम...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मामले की जांच की जा रही है बताते चले कि इससे पहले भी जमीन को लेकर दोनों पक्ष सामने सामने आ चुके हैं और पूर्व में भी कई बार मारपीट की घटना हो चुकी है।

अयोध्या में श्रीराम को समर्पित शुभवस्त्रम् ने बढ़ाई प्रदेश की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंडवासियों के लिए गौरव का दिन था, जब अयोध्या में विराजमान भगवान श्रीरामलला का दिव्य विग्रह देवभूमि की विश्वविख्यात ऐपण कला से सुसज्जित शुभवस्त्रम में सुशोभित हुए।

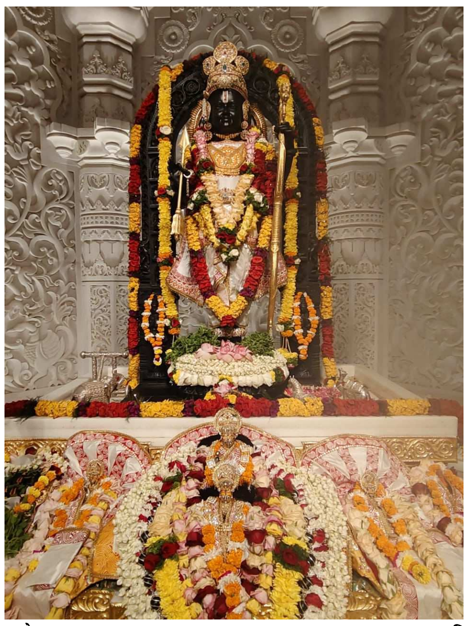

उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और पारंपरिक कलाओं को न केवल एक नई पहचान मिल रही है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियाँ भी इससे प्रेरित होकर जुड़ रही हैं। उत्तराखंडवासियों के लिए गौरव का दिन था, जब अयोध्या में विराजमान भगवान श्रीरामलला का दिव्य विग्रह देवभूमि की विश्वविख्यात ऐपण कला से सुसज्जित शुभवस्त्रम में सुशोभित हुए। यह शुभवस्त्रम न केवल उत्तराखंड की पारंपरिक कला और समर्पण का प्रतीक था, बल्कि इसने राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि को राष्ट्रीय पटल पर एक नया गौरवशाली अध्याय जोड़ा। इन शुभवस्त्रों को उत्तराखंड के कुशल शिल्पकारों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रेरणा से तैयार किया, और स्वयं मुख्यमंत्री ने इसे अयोध्या पहुँचाकर श्रीराम मंदिर में भेंट किया।

यह शुभवस्त्रम् में न केवल प्रदेश की ऐपण कला नजर आती है बल्कि इसमें निहित भक्ति और श्रम साधकों की अद्वितीय शिल्पकला का अद्भुत समन्वय भी है, जिसने उत्तराखंड की सांस्कृतिक छवि को और अधिक प्रखर बना दिया। मुख्यमंत्री धामी के गतिशील नेतृत्व में प्रदेश की लोक कला, संगीत, नृत्य और शिल्पों के संवर्धन की दिशा में भी अनेक ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी न केवल राज्य के स्थानीय हस्तशिल्प और कारीगरों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, बल्कि राज्य के युवाओं को भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने और इसे संजोने की प्रेरणा दे रहे हैं। सीएम धामी के प्रयासों का ही प्रतिफल है कि उत्तराखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति की गूंज अब अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी सुनाई देने लगी है। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में उत्तराखंड की लोक कलाओं को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे राज्य को वैश्विक पहचान और सम्मान मिल रहा है। धामी का मानना है कि प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण और संवर्धन आधुनिक संसाधनों और तकनीकों के साथ होना चाहिए ताकि यह अमूल्य विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रहे। सांस्कृतिक संस्थानों और कला संगठनों के सहयोग से युवाओं को पारंपरिक कलाओं में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे अपनी संस्कृति पर गर्व करें और इसे और आगे बढ़ा सकें।

हर्षिल मे एसपी ने ली व्यापारियों व होटल कारोबारियों की मीटिंग

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी अमित श्रीवास्तव द्वारा सीमान्त क्षेत्र हर्षिल मे स्थानीय व्यापारियों, होटल कारोबारियों एवं सम्भ्रान्त लोगों के साथ गोष्ठी का आयोजन कर क्षेत्रीय समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी, सभी से चारधाम यात्रा के दौरान पुलिस-प्रशासन की व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में फीडबैक लेते हुये यात्रा के बेहतर संचालन हेतु सुझाव लिए गए।

मीटिंग में उनके द्वारा सभी को नशे के दुष्प्रभाव व साइबर सुरक्षा के सम्बन्ध में व्यापक जानकारी देकर जागरुक किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि नशा एक सामाजिक क्राईम है, नशे की रोकथाम के लिए आम जनमानस का जागरुक होने के साथ-साथ आगे आना बहुत जरुरी है। उन्होने कहा कि पुलिस नशे पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रयासरत है, यदि आपके संज्ञान में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार के सम्बन्ध में कोई जानकारी रहती है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। आपकी पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जायेगी। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा सभी से कानून, शान्ति व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गयी। इस दौरान उनके द्वारा सभी व्यापारियों व होटल कारोबारियों को उनके कर्मिकों का पुलिस सत्यापन व होटलों में ठहरने वाले व्यक्तियों का डाटा सुरक्षित रखने की हिदायत दी गयी।

एसएएससीआई योजना के तहत उत्तराखंड पुलिस को बड़ी सौगात : डीजीपी

संवाददाता

देहरादून। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कहा कि राज्य के पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना (एस ए एस सी आई) 2024-25 के तहत उत्तराखंड पुलिस को केंद्र सरकार से एक महत्वपूर्ण सौगात प्राप्त हुई है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने बताया कि राज्य के पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना (एस ए एस सी आई) 2024-25 के तहत उत्तराखंड पुलिस को केंद्र सरकार से एक महत्वपूर्ण सौगात प्राप्त हुई है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अथक प्रयासों और उत्तराखंड शासन व पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रस्तुत औचित्यपूर्ण प्रस्ताव के परिणामस्वरूप, केंद्र सरकार ने 20 सितंबर 2024 को कुल 65.38 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के द्वारा उत्तराखंड पुलिस की कार्यक्षमता और दक्षता को तकनीकी एवं आर्थिक रूप से सुसज्जित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार ने निम्नलिखित प्रमुख निर्माण परियोजनाओं के लिए यह राशि स्वीकृत की है जिसमें 28.09 करोड़ 156 आवासीय भवनों के निर्माण के लिए तथा 37.29 करोड़ 6 पुलिस थानों और 14 पुलिस चौकियों के प्रशासनिक भवनों के निर्माण हेतु दिया गया। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड शासन एवं पुलिस मुख्यालय की सक्रिय भूमिका और समन्वय के परिणामस्वरूप इन महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिससे निश्चित रूप से राज्य की कानून व्यवस्था मजबूत होगी एवम सफलता के नए आयाम स्थापित करेगी। इन परियोजनाओं के तहत बनने वाले भवनों से पुलिस कर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा, जिससे उनकी कार्यकुशलता और मनोबल में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसका सकारात्मक प्रभाव जनहित में पुलिस सेवाओं की गुणवत्ता पर भी पड़ेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विशेष प्रयासों के फलस्वरूप, उत्तराखंड शासन और पुलिस विभाग राज्य की सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बुनियादी ढांचे के इस महत्वपूर्ण निवेश के लिए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। इस सहयोग से उत्तराखंड पुलिस को सशक्त और प्रभावी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है।

एक नजर

इजरायली हमले से हिजबुल्लाह के 1600 ठिकाने हुए तहस-नहस

मर्जायून (लेबनान)। लेबनान में इजरायली सेना के घातक हमले में मरने वालों की संख्या 500 पहुंच गई है। इनमें 90 से अधिक महिलाएं एवं बच्चे शामिल हैं। सिर्फ बच्चों की संख्या 35 है। जबकि 1645 लोग घायल हुए हैं। इससे हमले की भयावहता का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। बता दें कि वर्ष 2006 में इजरायल-हिज्बुल्ला युद्ध के बाद यह सबसे भीषण हमला है। इजरायल की सेना ने हिज्बुल्ला के खिलाफ अपने व्यापक हवाई हमले के तहत दक्षिणी एवं पूर्वी लेबनान के निवासियों को जगह खाली करने की चेतावनी दी थी। हजारों लेबनानी नागरिक दक्षिण से पलायन करने लगे तथा दक्षिणी बंदरगाह शहर सिडोन से

गुजरने वाला मुख्य राजमार्ग बेरूत की ओर जाने वाली कारों से जाम हो गया। यह 2006 के बाद सबसे बड़ा पलायन था। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमलों में 35 बच्चों और 58 महिलाओं सहित 492 लोग मारे गए और 1,645 लोग घायल हुए। देश अभी पिछले सप्ताह हुए संचार उपकरणों पर घातक हमले से उबरा भी नहीं था कि तभी यह घातक हमला किया गया। इस हमले में मरने वालों की तादाद 2020 में बेरूत के विनाशकारी बंदरगाह विस्फोट से कहीं ज्यादा है, जब एक गोदाम में रखे सैकड़ों टन अमोनियम नाइट्रेट में विस्फोट हो गया था। इस घटना में कम से कम 218 लोग मारे गए थे और 6,000 से अधिक लोग घायल हुए थे। इजरायली सेना के चीफ डेनियल हगारी ने कहा कि हिज्बुल्लाह ने पिछले साल 7 अक्टूबर से इजरायल को निशाना बनाकर लगभग 9,000 रॉकेट और ड्रोन से हमले किए हैं, जिनमें अकेले सोमवार को 250 रॉकेट और ड्रोन दागे गए।

तीन बांग्लादेशी नागरिकों के घुसपैठ को बीएसएफ ने विफल किया

नई दिल्ली। असम में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को भारतीय सीमा के अंदर घुसने से सुरक्षा बलों ने रोक दिया था। यह जानकारी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दी। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर कहा कि बीएसएफ और असम पुलिस ने सराहनीय काम किया है। असम के सीएम ने बताया कि तीनों घुसपैठियों को वापस सीमा पार भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि सीमा पार से घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान भी कर ली गई है। इनके नाम अनवर हुसैन, नसरीन शेख और बबली शेख के रूप में की गई। सीएम ने यह

नहीं बताया कि तीनों किस जगह से भारत में घुसने का प्रयास कर रहे थे। बता दें कि असम से बांग्लादेश की 267.5 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा जुड़ती है। असम के करीमगंज, कछार, धुबरी और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिले बांग्लादेश के साथ बार्डर साझा करते हैं। करीमगंज के सुतारकंडी में एक इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) भी है। पूर्वोत्तर में कुल तीन आईसीपी हैं। इनमें से दो मेघालय के दावकी और त्रिपुरा के अखौरा में हैं।

जम्मू-कश्मीर में दूसरे चरण के मतदान से पहले बढ़ाई गई सुरक्षा

जम्मू-कश्मीर । जम्मू और कश्मीर में 25 सितंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है। राजौरी जिले में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है और विभिन्न स्थानों पर वाहनों की जांच की जा रही है। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में जम्मू और कश्मीर के छह जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे। बता दें कि दूसरे चरण के चुनाव में 25 सितंबर को जम्मू और कश्मीर के छह जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। जिन सीटों पर चुनाव होंगे, उनमें कंगन (एसटी), गंदेरबल, हजरतबल, खानयार, हब्बाकदल, लाल चौक, चन्नपोरा, जदीबल, ईदगाह, सेंट्रल शाल्टेंग, बडगाम, बीरवाह, खानसाहिब, चरार-ए-शरीफ, चडूरा और गुलाबगढ़

(एसटी) शामिल हैं। इसके अलावा रियासी, श्री माता वैष्णो देवी, कालाकोट-सुंदरबनी, नौशेरा, राजौरी (एसटी), बुधल (एसटी), थन्नामंडी (एसटी), सुरनकोट (एसटी), पुंछ हवेली और मेंढर (एसटी) सीटों पर भी मतदान होगा। इस चुनाव में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला की किस्मत का फैसला होगा। वे बडगाम और गंदेरबल दोनों सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रमुख रविंदर रैना, जो नौशेरा विधानसभा सीट से, और जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा, जो सेंट्रल-शाल्टेंग सीट से चुनावी मैदान में शामिल हैं।

शराब की दुकानों पर नहीं रुक रही ओवर रेटिंग

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी के छापों के बाद भी शराब के ठेकों पर ओवर रेटिंग पर लगाम नहीं लग सकी है। दुकान पर ठोका गया पचास हजार रूपये का जुर्माना भी जनता की जेब से निकाला गया। यह क्या माजरा है इसकी जांच तो जिलाधिकारी को करनी पडेगी।

जिलाधिकारी सविन बसंल को पदभार सम्भालने के कुछ दिनों बाद ही शिकायत मिली कि शहर की शराब की दुकानों पर ओवर रेटिंग हो रही है। शराब की बोतल में छपे एमआरपी से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं और सेल्समैन से इसके बारे में पूछने पर ग्राहकों के साथ बदसलूकी से लेकर मारपीट तक की जाती है। इस शिकायत के बाद जिलाधिकारी ने ग्राहक बनकर शराब के ठेकों पर छापा मारा तो वहां पर उन्होंने ओवर रेटिंग पकड ली। लेकिन सेल्समैन ने उनके साथ भी बदसलूकी कर डाली। जिसके बाद जब जिलाधिकारी का लाव लश्कर मौके पर पहुंचा तो पता चला कि यह जनपद के नये जिलाधिकारी है। जिसके बाद जिलाधिकारी ने शराब के ठेके पर पचास हजार रूपये का जुर्माना ठोक दिया। जिलाधिकारी के इस कदम से लोगों ने राहत की सांस ली कि अब ठेकों पर ओवर रेटिंग नहीं होगी। लेकिन

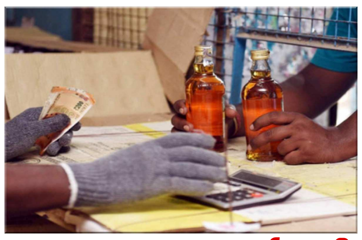

50 हजार का जुर्माना भी जनता की जेब से निकलेगा

यह क्या जिलाधिकारी के छापे के दूसरे दिन से ही ओवर रेटिंग का खेल फिर से शुरू हो गया। प्रत्येक ब्रांड पर शराब के ठेके के सेल्समैन दस से बीस रूपये तक की ओवर रेटिंग लेते हैं। यह बात ठेके के मालिक के संज्ञान में भी होती है लेकिन वह भी सेल्समैनों के सामने नतमस्तक होता है। जबकि इन्हीं शराब के ठेकों से सुबह पांच बजे पैगारी की जाती है और पैगारी की गयी वही शराब गली मौहल्लों में ठेको से दस रूपये सस्ती उपलब्ध होती है। यह सोचने वाली बात है कि ठेकों में दस से बीस रूपये अधिक वसूले जाते हैं और इन्हीं ठेकों से निकली शराब गली मौहल्लों में सस्ते दामों में उपलब्ध हो जाती है। जिलाधिकारी सविन बसंल ने जब इन ठेकों पर छापे मारे तो जुर्माने के अलावा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की। जुर्माना कौन सा इन ठेका संचालकों की जेब से जमा होना है। वह तो शाम तक ओवर रेटिंग कर जुर्माने से अधिक धनराशि जनता से वसूल कर सरकारी खजाने में जमा करा देंगे। लेकिन इसकी मार तो फिर आम जनता पर ही पड रही है। अब सोचने वाली बात यह है कि जिलाधिकारी ने ठेकों पर छापे आम जनता को राहत पहुंचाने के लिए मारे या फिर जनता का उत्पीडन करने के लिए यह अपने आप में सोचने वाली बात है। क्योंकि हर हाल में उत्पीडन तो आम जनता का ही हो रहा है। जिलाधिकारी ने अगर जुर्माने की जगह कोई ठोस कार्यवाही की होती तो शायद कुछ हद तक ओवर रेटिंग पर लगाम लग सकती थी वह भी फौरी तौर पर, पूरी तरह ओवर रेटिंग कोई रोक दे ऐसा नहीं हो सकता। यह ओवर रेटिंग तो कम्पनी भी रोक नहीं पायी थी जबकि कम्पनी के समय में तो ओवर रेटिंग की शिकायत पर कम्पनी के कारिंदे ठेके पर पहुंच सेल्समैन को अपने आफिस में ले जाकर बूरी तरह से मारते पीटते थे लेकिन उनकी दबंगाई भी इस ओवर रेटिंग के खेल को नहीं रोक पायी थी तो मात्र पचास हजार रूपये के जुर्माने से यह कैसे रूक सकेगी जबकि वह जुर्माना भी जनता की जेब से निकलना है। इस बारे में अब प्रशासन को कोई ठोस नीति अपनानी होगी तभी इस खेल पर लगाम लग सकेगी।

मकान का ताला तोड़ सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से कीमती सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार होरोवाला निवासी आकाश ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ 19 सितम्बर को बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके घर से कीमती सामान चोरी करके ले गये हैं जिसकी लिस्ट वह बाद में उपलब्ध करा देगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध घायल

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वृद्ध के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भानियावाला निवासी शुभम ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता रणजीत सिंह पैदल कुआंवाला पेट्रोल पम्प के पास से जा रहे थे तभी अज्ञात वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। वाहन चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों की मदद से पुलिस ने उनको अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सीएस ने दिये जनजातीय समुदायों के लोगों को प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जिलाधिकारियों को जनजातिय समुदायों के लोगों को जनजाति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जिलाधिकारियों को सभी जनजातीय ग्रामों में कैम्प लगाकर जनजातीय समुदायों के लोगो को जनजाति प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कार्य करने वाले सभी 17 विभागों को अपने नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए हैं। यह नोडल अधिकारी आगामी 27 सितम्बर को प्रधानमंत्री उन्नत ग्राम योजना के सम्बन्ध में जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित मंथन शिविर में प्रतिभाग करेंगे। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों एवं सम्बन्धित विभागों को सभी जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में कैम्प लगाकर पीएम उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, विद्युतिकरण योजनाओं के शत् प्रतिशत कवरेज के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को आगामी 02 अक्टूबर को मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के शुभारम्भ के अवसर पर जिला स्तर पर चयनित प्रत्येक ग्राम में एक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि 27 सितम्बर को प्रधानमंत्री उन्नत ग्राम योजना के सम्बन्ध में जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मंथन शिविर आयोजित किया जाना है। मुख्य सचिव श्रीमती राधा

रतूड़ी ने उससे पूर्व सभी 17 विभागों को अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री उन्नत ग्राम योजना के सम्बन्ध में आयोजित समीक्षा बैठक में सचिव सचिन कुर्वे, डा. बी वी आर सी पुरूषोत्तम, अपर सचिव डा. नीरज खैरवाल, सी रविशंकर सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।